सं श्रो.वि./एफ.डी./297-83/1146. चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं. कोफ्को इन्जिनियरिंग वर्कस, प्लाट नम्बर-246, सैक्टर-24, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री श्रशोक कुमार तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रब, श्रीद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त श्रिधिनियम की घारा 7(क) के श्रधीन श्रीद्यो-गिक श्रिष्ठिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री प्रशोक कुमार की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है?

सं स्रो वि /एफ.डी/293-83/1153 - चूंकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि मैं मैटलाज इन्डस्ट्रीज, प्लाट नम्बर 223, सैक्टर-24, फरीदाबाद के श्रमिक श्री चन्द्र पाल तथा उसके प्रबन्धकों के माध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई स्रोधोगिक विवाद है;

श्रीर चूं कि हरियाणा के राज्यपाल, इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं;

इस लिए, अब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई ग्रिक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यशल इसके द्वारा राज्य परागर द्वारा उन्त ग्रीधिनियम की धारा 7-क के ग्रीधीन भ्रोद्योगिक भ्रिष्ठकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यानिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं:-

क्या श्री चन्त्र पाल की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं म्रो.वि./पानीपत/89-83/1160.—चूकि राज्यपाल, हरियाणा की राय है कि में वन्सी लाल बांसल एण्ड सन्ज, द्या नन्द रोड़, पानीपत के श्रीमक श्री सुभाष चन्द तथा उसके प्रवन्त्रकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई मौद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये अब श्रौद्योगिक विवाद श्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त श्रिधिनियम की धारा 7(क) के श्रिधीन श्रौद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा फरीदाबाद, को नीचे बिनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या इससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमिक तथा प्रबन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं,

क्या श्री सुभाष चन्द की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?
सं श्री.वि./पानीपत/75/83/1166.—चूंकि राज्यपाल हरियाणा की राय है कि मैं के स्वास्तिका व फिनिशिंग मिल्ज, जी.टी.
रोड़, पानीपत कें श्रीमक श्री राम मूर्ति तथा उसके प्रबन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रौर चूंकि हरियाणां के राज्यपाल विवाद के न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट भरना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, ग्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा राज्य सरकार द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की घारा 7(क) के ग्रधीन श्रौद्योगिक श्रिष्ठिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित मामले श्रीमक तथा प्रवन्धकों के मध्य न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री राम मूर्ति की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

वी. एस. चौधरी, उप–सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग।